



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



दम दम बहर क़दम हमा दम दम मदार मा,, मा तालिबाना मुशिदे कामिल मदार मा।।

हाज़ा शिजराए आलीया मिस्कीनीया मदारीया मुतबर्कि

{ निस्बते सोख़ता शाहीया }

ऐ मदारे दो जहां काबा ए ईमां म-द-दे.....नौनिहाले चमन शाहे शहीदा म-द-दे  
रहे जन्नत बक़्क़ कुत्बुल मदार का शजरा.....फ़ूले फ़ले मदारे सैय्यदे लौलाक का शजरा  
तुझको देता हूं तेरे जूदो सखा का वास्ता,,....., फ़ज़ल का रहमत का बख़्शिश का अता का वास्ता।।  
मैं कहूं बे वास्ता किस मुंह से बख़्शिश के लिए,,....., कुछ वसीले पेश करता हूं सिफ़ारिश के लिए।।  
या इलाही अपनी ज़ाते किबरिया के वास्ते,,....., रहम कर मुझ पर मुहम्मद मुस्तुफ़ा के वास्ते।।  
राहे इरफ़ां में इलाही रख मुझे साबित क़दम,,..... सदक़े में मौला अली मुश्किल कुशा के वास्ते।।  
बख़्श दे विजदान हुब्बे मुस्तुफ़ा या रब मुझे,, ..... शाह हसन बसरी इमामुल औलिया के वास्ते।।  
नेअमते इख़लास व दारैन दे मेरे रब्बुल उला,,....., शाह हबीब अजमी अज़ीमुल मर्तबत के वास्ते।।  
कर अता सिदक़ो सफ़ा कि रहमतें या रब मुझे,,.....बायज़ीदे सह गिरोहे औलीया के वास्ते।।  
दिल को रौशन तन को ताहिर आंख को पुरनूर कर.....,शाह बदीयुद्दीन मदारे दो सरा के वास्ते।।  
रख हिफ़ाज़त और अमानत में मेरा ईमां करीम,,.....,क़ाज़ी मुतहर क़ला शेर हादिये हुदा के वास्ते।।  
हश्र के दिन कलमा तेरा पढ़कर उठूं ऐ किरदिगार....., शाह हमीदुद्दीन क़िब्ला कुदसीया के वास्ते।।  
दीनो दुनिया में इलाही रख मुझे तू बा मुराद.....,हज़रते राजे क़त्ताल साहिबे जूदो सखा के वास्ते।।  
फ़क्र की मंज़िल में या रब इस्तेक्रामत दे मुझे,,शाह दादा गफ़ूर उर्फ़ बाबा कपूर मर्दे बा ख़ुदा के वास्ते।।  
ज़िल्लतों से दो जहां कि तू बचा या रब मुझे,,.....आबिदे खाकसार वलीए महलक़ा के वास्ते।।  
उम्मत खैरुल बशर को या ख़ुदा कर सुखरू,,.....,सैय्यदे अब्दुल वाहिद फ़ख़्रे औलिया के वास्ते।।  
सब्ज़ गुम्बद कि ज़ियारत कर सकूं परवरदिगार.,सब्ज़ अली शाह शुत्तार आशिक़े मुस्तुफ़ा के वास्ते।।  
ज़िक़े क़ल्बी, ज़िक़े नफ़्सी ज़िक़े रूही कर अता,,हज़रते मिस्कीन शाह मलंग मदारी औलिया के वास्ते।।  
बंदाए आसीं हूं या रब कर मेरी तौबा कुबूल,,.....हूब अली शाह शुत्तार कमाले अस्फ़ीया के वास्ते।।



अपनी उल्फत में खुदाया महव कर और शाद कर,,शैख अहमद औलीया अहले सफ़ा के वास्ते।।  
 राहे सुन्नत पर मुझे चलने की कूव्वत कर अता,,.....,हज़रते कूवत अली फ़िदाए मुर्तुजा के वास्ते।।  
 रात दिन बरसा करे तेरे रहमत की घटा,,.....,शाह जानुल्लाह जाने रहबरा के वास्ते।।  
 कर अता मोहसिन अमल के साथ हुस्ने खात्मा,,...हज़रते इमाम अली शाह आली मक्राम के वास्ते।।  
 ख्वाबे ग़फ़लत से मुझे बेदार करदे ऐ खुदा,,.....शाह मुराद अली वलीए पुरज़िया के वास्ते  
 रख तरीक़त पर मुझे साबित कदम मेरे इलाह,,.....,हो मुराद मक्रबूल मेरी शाहे मुराद के वास्ते।।  
 इश्क़े ईमां को हमारे जाविदां करदे खुदा,,.....खलीफ़ाए रमज़ान शाह आरिफ़े बिल्लाह के वास्ते।।  
 या इलाही राज़े बातिन मुझ पर हो अयां तेरा,,.....,पीर गरीबुद्दीन शाह मुर्शिद अतक्रिया के वास्ते।।  
 रोज़ो शब शामो शहर करता रहूं दम दम मदार,,.....शाह सुलेमान पीर हमारे पेशवा के वास्ते।।  
 आक्रिबत मेरी मुबारक हो मेरी दुनिया सईद.....,पेशवा मेरे हज़रत शाह हुसैन के वास्ते।।  
 एक देखूं एक जानू एक का होकर रहूं.....,शाह अब्दुल ग़फ़ार आशिक़ाने सोख़ता के वास्ते।।  
 बंदाए नाचीज़ की करले दुआओं को कुबूल,,.....,सिलसिले के मेरे इक इक औलिया के वास्ते।।

अल्लहुम्मा सब्बित क़-द-मी अला सिरातिल मुस्तक़ीम ,,

अला इन्ना औलिया अल्लाहि ला खौउफ़ुन अलैहिम वलाहुम यहज़नून।

अल्लज़ीना आ-म-नू वकानू यत्ताकून।

सुब्हाना रब्बिका रब्बिल इज़ज़ति अम्मा यसिफ़ून। व सलामुन अलल मुरसलीन वलहम्दु लिल्लाही रब्बिल आलमीन।।

\*~~~~~\*

\_ \* तालिबे दुआ :- अहक़र मुशाहिद अली शाह इब्न अशफ़ाक़ अली शाह मदारी \* \_

\*साकिन :-\* लाल स्कूल यूनिटी प्लास्टिक के सामने हनुमानताल रोड जबलपुर मध्यप्रदेश

\_ \* मिनजानिब :- खानक्राहे फैज़ानुल औलिया जबलपुर \* \_

9407307386

مرید عزیز: ..... ابن:

شجرہ ہذا خاندان مدار یہ خلیفہ عاشقان نور روزی سوختہ شای عاصی میر عبدالغفار شاہ بن محمد حنیف شاہ بن خلیفہ محمد حسین شاہ  
 بن خلیفہ رمضان علی شاہ بن مرا علی شاہ بن امام علی شاہ بن جان اللہ شاہ بن سید محمد عارف سلطان میرا بھڑنگ شاہ  
 بن دادا سید امام نور روزا مساباس ڈیڈوانہ ضلع ناگور راجستان انڈیا

شائع کردہ: خانقاہ مدار یہ چشتیہ نظامیہ اسحاق کالونی میرپور خاص سندھ پاکستان  
 رابطہ نمبر: سجاد حسین خانقاہ مدار یہ سید وقار علی شاہ جعفری +92 312 350 9351